

कष्टकर वि. (तत्.) 1. जिससे दुख या पीड़ा उत्पन्न हो, कष्ट या पीड़ा देने वाला 2. कठिनाई या मुसीबतदायक 3. कष्टकारी, कष्टकारक।

कष्टत्व पुं. (तत्.) (काव्य.) काव्य में एक अर्थदोष द्वे. 'कष्टार्थ'।

कष्टदायक वि. (तत्.) 1. कष्टकारी (कष्ट देने वाला) कष्टप्रद जैसे- कैसर का रोग बहुत कष्ट दायक होता है।

कष्ट-सह वि. (तत्.) 1. सहनशील, सहिष्णु 2. धीरज से कष्ट सहने करने वाला।

कष्ट-साध्य वि. (तत्.) 1. जिसे पूरा करना सरल न होकर श्रमसाध्य या कष्टकर हो, कष्टकारी।

कष्टार्तव पुं. (तत्.) (महिलाओं के लिए) कष्टपूर्वक होने वाला मासिक धर्म (रजःस्राव)।

कष्टार्थ पुं. (तत्.) खींच-तान कर (सरल रीति से न निकाले जाने वाला) निकाला गया अर्थ काव्य. काव्य का एक (काठिन्य) दोष, कष्टत्व दोष उदा. तो पर वारीं चार मृग, चारि विहंग, फल चारि अर्थात् नायिका के सौन्दर्य पर न्योछावर किए जाने वाले चार, पशुओं, चार पक्षियों तथा चार फलों का अनुमान लगाया जाना कठिन कार्य बन जाता है, चार पशु-हाथी, घोड़ा, मृग तथा सिंह, क्रमशः उसके गति, घूँघट, नेत्र और कटि के सौंदर्य के और शुक (तोता-नाक) के सौंदर्य हेतु तथा अनार (दाँत) श्रीफल (स्तन) बिंबाफल (अधर) और मधूक (कपोलों) के सौंदर्य के लिए प्रयुक्त हुए हैं।

कष्य वि. (तत्.) 1. जिसे कसा या परखा जा सके 2. कसने योग्य 3. कसौटी पर कसे जाने योग्य 4. कोड़ा या चाबुक लगाए जाने योग्य पुं. (तत्.) कसे जाने योग्य वस्तु-धातु (सोना, चाँदी आदि)।

कस¹ वि. (तद्.) कैसा, किस प्रकार का उदा. ईश्वर जीवहि भेद कहहु कस -तुलसी ('मानस' 7/78/3) क्रि.वि. कैसे, किस प्रकार से 2. क्यों उदा. कस न भजहु भ्रम त्यागि -तुलसी (मानस 7/74) 2. पुं. (तद्.) 1. निचोड़ कर निकाला हुआ सारतत्व या रस, निचोड़ 2. स्वाद उदा. विषय विरत

खटाई नाना कस -विनय पत्रिका. (204 तुलसी) 3. स्त्री. (तत्.) कसने या कसकर बाँधने वाली वस्तु 2. रोक, रुकावट 3. शक्ति, ताकत, बल 4. नियंत्रण, काबू उदा. शादी क्या हुई -आपका मित्र तो पत्नी के कस में रहने लगा है।

कस² पुं. (तद्.) अर्क, सार, निकाला हुआ रस 2. कसैलापन 3. मदिरा को तीखा बनाने हेतु मिलाए जाने वाली वस्तु 4. लोहे आदि के विशेष उपकरण पर घिसकर लच्छे निकालने का भाव जैसे- कदकस करना।

कसक स्त्री. (तद्.) किसी मानसिक या भौतिक आदि कष्टों के कारण उत्पन्न पीड़ा, टीस 2. मन में दबा हुआ पुराना वैर या द्वेष जिससे बदला लेने की इच्छा या प्रेरणा होती हो 3. बदला लेने की इच्छा 4. किसी के दुख के कारण होने वाली मानसिक पीड़ा 5. रह-रह कर होने वाली हल्की पीड़ा।

कसकन स्त्री. (तद्.) कसक, हल्की-हल्की पीड़ा।

कसकना अ.क्रि. (देश.) 1. वेदना या कष्ट होते रहना, किसी दुखद घटना के कारण रह-रह कर उठने वाली पीड़ा 2. खटकना, कसक होना उदा. काँटे-सी कसकति हियें वही कँटीली भौंह -बिहारी. (406) 3. किसी अन्य के कष्ट को सुनने या देखने से उत्पन्न मानसिक क्लेश होना।

कसकाना स.क्रि. (देश.) कष्ट देना, पीड़ा देना।

कसकुट पुं. (देश.) काँसा, काँसे आदि मिश्रित धातुओं से निर्मित धातु।

कसकौहाँ वि. (देश.) कसक पैदा करने वाला, कष्ट या पीड़ा पहुँचाने वाला।

कसगर पुं. (फा.) 1. मिट्टी की मूर्तियाँ बनाने वाला व्यक्ति या उपजाति 2. कसेरा, उपजाति या उस जाति का व्यक्ति।

कसदम वि. (अर.) जिसमें कस या शक्ति हो, शक्तिशाली, बलशाली, ताकतवर।

कसदार वि. (देश.) जो शक्ति सामर्थ्य संपन्न हो 1. बलवान, शक्तिशाली 2. चतुर, श्रेष्ठ।